खास कर के श्रम मंत्रालय को इस संबंध में एक स्टेटमेंट देनी चाहिए ताकि वे यहां आ करके पीसफुल डिमान्स्ट्रेशन करें और उनकी मांग को मंजूर करने की कोशिश की जाए ।

REFERENCE TO THE REPORTED HEALTH HAZARDS CAUSED BY THE TOXIC EFFLUENTS DISCHARGED BY HINDUSTAN ZINC FACTORY NEAR VISAKHAPATNAM

PROF. B. RAMACHANDRA RAO (Andhra Pradesh): Mr. Deputy Chairman, I would like to bring to your attention the serious situation that has arisen due to the Hindustan Zinc Factory on the outskirts of Visakhapatnam discharging toxic effluents like sulphuric acid, sulphur dioxide which are seriously affecting the health of about 15,000 to 20,000 people in a village called Mendi in the neighbourhood. The people there have been having serious health problems. I would like to appeal, through you, that the Minister of Industry take up this matter by appointing an expert committee in consultation with the Department of Environment to visit on the spot the factory, examine the effluents and recommend the measures to be taken to control pollution.

As you know the Central and State Governments have enacted legislations to prevent all these factories from producing pollutants and letting them out in the neighbourhood. One of the important things that is happening here is that effluents are going into wells and therefore the drinking water is also polluted. I would appeal through you to the Central Government, particularly the Ministry of Industry, to take up this matter and take remedial action because this is a public sector undertaking.

REFERENCE TO THE CLOSURE OF CURZON BRIDGE FOR HEAVY VEHICULAR TRAFFIC AND DELAY IN CONSTRUCTION OF A PARALLEL BRIDGE IN ALLAHABAD

श्री राम पूजन पटेल (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, आपके माध्यम से मैं भारत सरकार का ध्यान एक महत्वपूर्ण विषय की ओर आकर्षित कर रहा हूं । जनपद इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश में कर्जन पुल के खराब होने के कारण रेलवे विभाग ने भारी वाहन के गमना-गमन पर रोक लगा दिया है जिसके कारण आज भारी वाहन को इलाहाबाद से आने-जाने के लिए शास्त्री पुल का प्रयोग करना पड़ता है जिससे लगभग 35 किलोमीटर से अधिक दूरी का चक्कर लगाना पड़ता है, इससे समय का दुरुपयोग तो होता ही है, साथ ही साथ डीजल आदि की भी अधिक खपत होती है इस प्रकार धन का दुरुपयोग होता है । इस पुल के बन्द होने से उत्तर प्रदेश के उत्तरी जिले प्रतापगढ़, सुल्तानपुर, फैजाबाद, जौनपुर रायबरेली, लखनऊ, उन्नाव, बाराबंकी गोंडा, बहराइच, सीतापुर आदि जिले प्रभावित हो रहे हैं । इस संबंध में मैंने उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री को कई पत्र लिखे थे और व्यक्तिगत मिलकर स्थिति से अवगत कराया था जिसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त सचिव, सार्वजनिक निर्माण विभाग अनुभाग 11, ने पत्रांक 603 जे० पी० ई/23, सा० नि० वि० अनुभाग 11/22/5/ई/81 दिनांक